नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत 294 मिनी डेरी इकाइयां होंगी स्थापित

10 देशी गायों की क्षमता वाली हाइटेक डेरी इकाइयों की होगी स्थापना

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ गौ पालकों को सशक्त बनाने के लिए हाल ही में लांच की गई नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत प्रदेश में 294 आधुनिक मिनी डेरी इकाइयों की स्थापना की जाएगी। 10 गायों की क्षमता वाली हाइटेक डेरी की इकाई की लागत 23.60 लाख रुपये होगी, जिस पर 50 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा। इस योजना पर सरकार 17.30 करोड़ रुपये व्यय करेगी।

नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत केवल गिर, थारपारकर और साहीवाल जैसी उच्च गुणवत्ता वाली स्वदेशी नस्ल की गायें ही खरीदी जाएंगी। योजना के तहत कैटल शेड और अन्य आधारभूत संरचना का निर्माण आधुनिक तकनीक से किया जाएगा। इन संरचनाओं में पीयूएफ पैनल का उपयोग किया जाएगा, जिससे मौसम के प्रतिकूल प्रभाव का असर पशुओं पर न हो। इसके अलावा, गौ पालकों को आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे वे नए संसाधनों का उपयोग कर अपने पशुओं की देखभाल और प्रबंधन कर सकें। गौ पालन में तीन वर्ष का अनुभव रखने वाले किसानों का चयन ही इस योजना के तहत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक है, लेकिन प्रति पशु दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से यूपी राष्ट्रीय औसत से पीछे है। राज्य में वर्तमान में प्रति गाय औसतन 3.78 लीटर दूध का उत्पादन होता है।

कृषि भारत मेले में आठ राज्यों के एक लाख से अधिक किसान लेंगे भाग

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में कृषि व पशुपालन क्षेत्र में नई तकनीकी को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) 15 से 18 नवंबर तक लखनऊ में सीआइआइ कृषि भारत-2024 का आयोजन करेगा। कृषि मेले में यूपी सहित आठ राज्यों के एक लाख से अधिक किसान भाग लेंगे। वहीं, पार्टनर कंट्री के रूप में नीदरलैंड्स को शामिल किया गया है। शुक्रवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में कृषि भारत-2024 इवेंट संचालन समिति की बैठक में आयोजन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि यह आयोजन कृषि, खाद्य और पशुधन क्षेत्र में हो रहे नवाचारों व उन्नत तकनीकी से किसानों को जोड़ने का एक अच्छा मंच साबित होगा। आयोजन की तैयारियों में कोई कमी नहीं रखी जाए और सभी संबंधित विभागों का पूरा सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम स्थल पर नगर निगम के माध्यम से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में बताया गया कि कृषि भारत-2024 मेले का आयोजन 20,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में किया जाएगा। इसमें 200 से ज्यादा प्रदर्शकों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन के दौरान 10 से अधिक किसान संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जबकि 4000 से अधिक कृषि व्यवसाय से जुड़े लोग इसमें शामिल होंगे। आठ राज्यों के किसानों को भी इसमें शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, प्रमुख सचिव पशुधन के रवींद्र नायक, मंडलायुक्त रौशन जैकब, जिलाधिकारी लखनऊ सूर्यपाल गंगवार सहित अन्य विभागों के अधिकारी व सीआइआइ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।